No. of Printed Pages : 4

**MLI-101**

02882

# MASTER OF LIBRARY AND INFORMATION SCIENCE (Revised)

## Term-End Examination
## June, 2012

## MLI-101 : INFORMATION, COMMUNICATION AND SOCIETY

***Important Instruction :*** *This question paper should be attempted only by those candidates who have registered for MLIS from July, 2005 and onwards.*

*Time : 3 hours* *Maximum Marks : 100*

***Note :*** *Attempt **all** questions. All questions carry **equal** marks. Illustrate your answers with suitable examples and diagrams, wherever necessary. Write relevant question number before writing the answer.*

**1.1** Define information. Discuss why information is given so much importance today ? Enumerate the disciplines having information as the core area of their study.

**OR**

**1.2** Data, information, knowledge and wisdom form a continuum in ascending order. Explain.

**2.1** Discuss the modes of formation of subjects as propounded by Ranganathan and extended by Neelameghan.

**OR**

2.2 What do you understand by information diffusion ? Discuss the different models of information diffusion.

3.1 Distinguish between information economics and economics of information. Discuss the aspects connected with economics of information.

OR

3.2 Discuss the need for a national information policy. Provide an overview of the efforts made in India towards framing a National Information Policy.

4.1 Discuss the impact of information society on the information profession.

OR

4.2 Discuss the characteristics of a knowledge society. Describe life and culture in such a society.

5. Write short notes on ***any three*** of the following (in about ***300*** words) each :

(a) Barriers to information.

(b) Tacit and explicit knowledge.

(c) Shannon-Weaver's model of communication.

(d) Approaches to information theory

(e) Knowledge profession

एम.एल.आई.-101

# पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर उपाधि ( संशोधित )

## सत्रांत परीक्षा

## जून, 2012

## एम.एल.आई.-101 : सूचना, संचार तथा समाज

***महत्त्वपूर्ण निर्देश :*** *यह प्रश्न पत्र केवल उन छात्रों के लिए है जिन्होंने एम.एल.आई.एस. में पंजीकरण जुलाई, 2005 या उससे बाद में किया है।*

*समय : 3 घण्टे* *अधिकतम अंक : 100*

---

***नोट :*** ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं। अपने उत्तरों की पुष्टि के लिए उचित उदाहरण देते हुए आवश्यकतानुसार रेखाचित्रों का भी प्रयोग करें। उत्तर लिखने से पूर्व संबंधित प्रश्न-संख्या अवश्य लिखें।*

---

**1.1** सूचना को परिभाषित कीजिए। विवेचना कीजिए कि आजकल सूचना को इतना महत्त्व क्यों दिया जाता है। उन विषयों को परिगणित कीजिए जिनके अध्ययन का सार भाग सूचना का अध्ययन है।

**अथवा**

**1.2** डेटा, सूचना, ज्ञान तथा बुद्धिमत्ता आरोही क्रम में एक सातत्य का निर्माण करते हैं। व्याख्या कीजिए।

2.1 रंगनाथन द्वारा प्रतिपादित तथा नीलमेघन द्वारा विस्तारित विषय निर्माण की विधियों की चर्चा कीजिए।

**अथवा**

2.2 सूचना विसार से आप क्या समझते हैं? सूचना विसार के विभिन्न मॉडलों की चर्चा कीजिए।

3.1 सूचना अर्थशास्त्र तथा सूचना के अर्थशास्त्र के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। सूचना के अर्थशास्त्र से संबंधित पहलुओं की चर्चा कीजिए।

**अथवा**

3.2 एक राष्ट्रीय सूचना नीति की आवश्यकता की चर्चा कीजिए। एक सूचना नीति तैयार करने की दिशा में भारत में किए गए प्रयासों का विहगावलोकन प्रस्तुत कीजिए।

4.1 सूचना व्यवसाय पर सूचना समाज के प्रभाव की चर्चा कीजिए।

**अथवा**

4.2 ज्ञान समाज के अभिलक्षणों की चर्चा कीजिए। ऐसे समाज में जीवन और संस्कृति का वर्णन कीजिए।

5. निम्नलिखित में से ***किन्हीं तीन*** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए (प्रत्येक पर लगभग ***300*** शब्दों में) :

(a) सूचना संचार में अवरोधक तत्व

(b) अव्यक्त तथा सुव्यक्त ज्ञान

(c) संचार का शैनन-वीवर का मॉडल

(d) सूचना सिद्धान्त के प्रति उपागम

(e) ज्ञान व्यवसाय